Shri B. S. Murthy: While considering this question, have the latest figures been called for from the Municipality, and if so, does it show that Ferozepore has got more than a lakh population?

Shri Shahnawaz Khan: If I may say so, the city compensatory and house rent allowance were fixed on the recommendation of the Central Pay Commission in 1947. I believe another Pay Commission has recently been appointed and I am sure it will go into all these aspects

Navigation of Rupnarain

*783. **Shri S. C Samanta:** Will the Minister of **Irrigation and Power** be pleased to state:

(a) whether any model experiments were carried out in 1944 to find out measures to control erosion of the left bank of the Rupnarain upstream of the then Bengal Nagpur Railway Bridge at Kolaghat by means of deflecting the groyne,

(b) if so, whether after the construction of the groyne not only erosion of the left bank completely stopped but also a deposition of silt 9 to 10 feet depth occurred;

(c) what is the position at present, and

(d) whether it is also a fact that at present the steamers which were running from Calcutta to Ranichak beyond Kolaghat, have been rendered unusable through Kolaghat?

The Minister of Irrigation and Power (Shri S. K Patil): (a) to (d) A statement giving the requisite information is laid on the Table of Lok Sabha [*See* Appendix II, annexure No 121]

Shri S. C. Samanta: Is the hon Minister aware that though the railway bridge at Kolaghat, has been saved, another bridge is going to be constructed some 25 feet away joining the National Highway from Calcutta to Madras and Bombay? If so, will the shoaling referred to by the hon. Minister grow more?

Shri S. K. Patil: It does not arise out of this question, but I have no information about this National Highway.

Shri S. C. Samanta: In reply to (d), the Minister has said that nowadays steamers do not ply from Calcutta to Ranichak except during high water levels May I know whether during the last five years any steamer passed through Kolaghat from Calcutta during high water levels?

Shri S. K. Patil: That was a decision taken by the steamer companies because they found, according to the notice, uncertainty of navigability That is why no big steamer communications have been there, but small launches go As to whether there is any danger to the Highway or not, I have no information.

Shri S. C. Samanta: Is it not a fact that not a single small launch has passed through this place and steamers from Calcutta go only to Geonkhali and Banka and no more? If so, is the Ministry taking this into account to see that shoaling either by dredging or some other means is removed

Shri S. K. Patil: The hon. Member has given information and I shall be benefited by it

रेलवे लाइनों की सुरक्षा

†

*७८४ श्री भक्त दर्शन :
श्री दी० चं० शर्मा :
श्री विभूति मिश्र :

क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि रेलवे लाइनों की सुरक्षा के लिये ग्रामीणों का सहयोग प्राप्त करने की एक योजना स्वीकार की गई है; और

(ख) यदि हां, तो क्या उस योजना के आर्थिक पहलू व कार्यप्रणाली का एक विशद विवरण सभा-पटल पर रखा जावेगा?

रेलवे उपमंत्री (श्री शाहनवाज खां) (क) और (ख) जी नहीं। अभी इस योजना

के बारे में छान-बीन की जा रही है और इसे गृह-मंत्रालय (Home Ministry) और राज्य सरकारों की सलाह से तैयार किया जा रहा है।

श्री भक्त दर्शन : क्या यह सत्य है कि पिछले दिनों जो मुख्य मंत्रियों का सम्मेलन दिल्ली में हुआ था, उसमें इस सम्बन्ध में बातचीत की गई थी और मैं जानना चाहता हूं कि आखिर वे कौन से आधार हैं जिनको लेकर आगे यह स्कीम बनाई जा रही है?

श्री शाहनवाज खां : जी हां, यह मसला ५ जून, १९५७ को जब मुख्तलिफ सूबों के बड़े वजीर यहां जमा हुए थे, तब उनकी कान्फ्रेंस में रेलवे मिनिस्टर साहब ने उनके साथ इस चीज के ऊपर बहस की थी। इस स्कीम का मक़सद यह है कि जो लोग रेलवे लाइनों के ऊपर की तरफ रहते हैं और जहां से पानी आकर रेलवे लाइन को नुकसान पहुंचा सकता है या रेलवे लाइनों के ऊपर बड़े बड़े तालाब हैं जिनके कि फ़ौरन टूटने से नुकसान हो जाता हो, इस किस्म की खबरें वे रेलवे मन्त्रालय को समय पर दे सकें।

श्री भक्त दर्शन : अब इस साल तो बरसात शुरू हो चुकी है तो क्या यह आशा की जा सकती है कि इस साल इस पर अमल शुरू हो सकेगा?

श्री शाहनवाज खां : ऐसी स्कीमें जिनमें एक से ज्यादा मिनिस्टरों का ताल्लुक होता है उन को मुकम्मिल करने में जरा वक़्त लग जाता है।

श्री भक्त दर्शन : इस कार्य में गांव वालों से जो सहायता ली जायगी वह श्रमदान के रूप में ली जायगी या उनको इस कार्य के करने के लिए कुछ मुआविजा भी मिलेगा?

श्री शाहनवाज खां : दोनों तरह से कराया जायगा, वैसे रेलवे कोई बहुत ज्यादा मुफ्त काम कराने में एतकाद नहीं रखती है और काम कराई के पैसे देती है।

श्री विभूति मिश्र : मैं जानना चाहता हूं कि क्या सरकार ने कोई समय निश्चित किया है कि इतने दिनों के अन्दर इस स्कीम को चालू करेंगे अर्थात् कितने दिनों के अन्दर यह काम हो सकेगा या वह केवल बातचीत का जाल ही बन कर रह जायगी?

श्री शाहनवाज खां : स्कीमें तो बहस मुबाहिसे और बातचीत से ही मुकम्मिल हो सकती है उसमें कोई सख्त और कड़ी तारीख नहीं रक्खी जा सकती।

भूख के कारण मौत

*७८५. श्री विभूति मिश्र :
पंडित हृदय नाथ तिवारी :
डा० राम सुभग सिंह :
श्रीमती इला पालचौधरी :

क्या खाद्य तथा कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या मई, १९५७ से १५ जुलाई, १९५७ तक की अवधि में विभिन्न राज्यों के उन क्षेत्रों में जहां खाद्य की कमी है भूख के कारण कोई मौत हुई; और

(ख) यदि हां, तो कितनी और कहां कहां?

कृषि उपमंत्री (श्री मों० वे० कृष्णप्पा): (क) जी नहीं।

(ख) प्रश्न नहीं उठता।

श्री विभूति मिश्र : हमारे मंत्री जी ने देखा है कि कुछ इंटरेस्टेड पार्टीज लिख देती हैं कि इतनी मौतें स्टार्वेशन से हो गईं, जब ऐसी चीज नहीं है तो क्या सरकार उस सम्बन्ध में अखबार वालों के और जो इस तरह की खबरें अखबारों में छपवाते हैं, उनके विरुद्ध कोई कार्यवाही करती है।

Shri M. V. Krishnappa: Generally, we are in touch with all the States. The States will be informed of any news of starvation deaths. We also get such news in the press often and we send the information to the concerned